Tender Heart School, Sector-33-B, Chandigarh.

कक्षा - नौवीं विषय - हिन्दी साहित्य
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : साहित्य सागर

पाठ-2 'काकी' (कहानी) लेखक - सियारामशरण गुप्त

निम्नलिखित अवतरण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखो :-

(i) "वर्षा के अनंतर एक-दो दिन में ही पृथ्वी के ऊपर का पानी अगोचर हो जाता है, परन्तु भीतर ही भीतर उसकी आर्द्रता जैसे बहुत दिनों तक बनी रहती है, वैसे ही उसके अन्तस्तल में वह शोक जाकर बस गया था।"

प्रश्न (i) 'उसके' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? उसकी मनोदशा का वर्णन कीजिए।

उत्तर - 'उसके' शब्द का प्रयोग 'काकी' कहानी के मुख्य पात्र श्यामू के लिए किया गया है। वह एक अबोध और मासूम बालक है। श्यामू ने एक दिन देखा कि उसकी माँ भूमि पर सो रही है। उसके ऊपर एक कपड़ा ढका हुआ है। और घर के लोग रो रहे थे तथा उसे घेर कर बैठे थे और करुण विलाप कर रहे थे। वास्तव में उसकी माँ की मृत्यु हो चुकी थी। जब उसकी माँ को श्मशान ले जाने लगे तो श्यामू ने बहुत उपद्रव मचाया। बोला, "मेरी काकी सो रही हैं, उन्हें इस तरह उठाकर कहाँ लिए जा रहे हो ? मैं न जाने दूंगा।" लोगों ने बहुत कठिनाई से उसे वहाँ से हटाया। श्मशान से लौटकर यद्यपि बुद्धिमान गुरुजनों ने उसे विश्वास दिलाया कि उसकी काकी मामा के यहाँ गई हैं। परन्तु यह बात श्यामू से ज्यादा दिन छिपी न रही और आसपास के अबोध बालकों के मुँह से प्रकट हो गया कि काकी कहीं नहीं ऊपर राम के यहाँ गई है। यह जानकर श्यामू पहले तो कई दिनों तक लगातार रोता रहा परन्तु बाद में रोना शांत हो गया। किन्तु मन में जो दुख का भाव था, वह कम नहीं हुआ।

प्रश्न 2. 'असत्य के आवरण में सत्य बहुत दिनों तक छिपा न रह सका' — श्यामू को किस सत्य का कैसे पता चला ? इससे उस पर क्या असर पड़ा ?

उत्तर- श्यामू को बुद्धिमान लोगों ने यह दिलासा दिया था कि उसकी माँ मामा के यहाँ गई हैं, कुछ दिनों में वापस आ जाएगी ; जबकि उसकी माँ मर चुकी थी। असत्य के आवरण (पर्दे) में यही सत्य छिपा था। लेकिन आसपास के मासूम बच्चों से श्यामू को इस सत्य का पता चला कि उसकी माँ अब इस दुनिया में नहीं हैं, वह राम के घर चली गई है।

प्रश्न 3. 'काकी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

उत्तर- 'काकी' कहानी में अत्यंत मार्मिक ढंग से एक अबोध तथा मासूम बालक की मातृ-वियोग की पीड़ा को व्यक्त किया गया है। कहानीकार ने यह चित्रित किया है कि बालकों का हृदय अत्यंत कोमल, भावुक तथा संवेदनशील होता है। वे मातृ-वियोग (माँ के बिछुड़ने का दुःख) की पीड़ा को सहन नहीं कर पाते हैं।

प्रश्न 4. 'काकी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

उत्तर- यह सभी जानते हैं कि किसी भी कहानी का शीर्षक उस कहानी का सबसे महत्त्वपूर्ण हिस्सा होता है। कहानी का तथ्य उसके शीर्षक के आसपास घूमता रहता है। कहानी के सभी पात्र तथा उनके चरित्र का ताना-बाना भी उसी कहानी के शीर्षक के आसपास घूमता रहता है। इस दृष्टि से यह शीर्षक सार्थक है। इस कहानी के आरंभ में काकी के देहान्त के बाद श्यामू 'काकी' के शोक में डूबा रहता है, वह दिन-रात इसी दुःख में रहता है। उसकी 'काकी' के पास पतंग भेजने की योजना और भोला के साथ उस योजना पर काम करना, काकी के प्रेम में अपने पिता की जेब से रुपया निकालना, दूसरे की मदद से पतंग पर 'काकी' लिखना और पतंग को काकी के पास भेजने के लिए रस्सी का इन्तज़ाम और काकी के प्रेम में विश्वेश्वर का क्रोधित होकर श्यामू को मारना और उसकी पतंग फाड़ देना जिस पर लिखा था — 'काकी'। इन बातों से यह स्पष्ट हो जाता है कि कहानी शुरू से अंत तक का शीर्षक 'काकी' सार्थक है।

प्रश्न 5. आशय स्पष्ट करो :-

"वर्षा के अनंतर एक-दो दिन में ही पृथ्वी के ऊपर का पानी तो अगोचर हो जाता है, परन्तु भीतर ही भीतर उसकी आर्द्रता जैसे बहुत दिन तक बनी रहती है, वैसे ही उसके अंतस्थल में वह शोक जाकर बस गया था।"

उत्तर- श्यामू के मन में जो दुःख का भाव था, जो कष्ट था वह खत्म नहीं हुआ था। कई दिनों तक लगातार रोते रहने के बाद उसका रोना धीरे-धीरे शांत हो गया, परन्तु उसका मन बहुत दुःखी था। इसी बात को स्पष्ट करने के लिए लेखक ने वर्षा के पानी का उदाहरण दिया है। वर्षा के बाद धरती पर जमा हुआ पानी तो सूख जाता है परन्तु पृथ्वी के अन्दर पानी की नमी बनी रहती है। इस प्रकार 'श्यामू' का मन अंदर से दुःखी था।

(ii) "एक दिन उसने ऊपर एक पतंग उड़ती देखी। न जाने क्या सोचकर उसका हृदय एकदम खिल उठा।"

प्रश्न 1. 'उसने'-से किसकी ओर संकेत किया गया है? वह उदास क्यों रहा करता था?

उत्तर- 'उसने' — से श्यामू की ओर संकेत किया गया है। वह भावुक हृदय का बालक था। वह अपनी काकी (माँ) को बहुत प्यार करता था। इसी कारण वह दिन-रात माँ की यादों में खोया-खोया आसमान की ओर देखता रहता था। माँ की मृत्यु के बाद वह बहुत दुःखी हो गया था कि उसकी माँ मामा के यहाँ नहीं, बल्कि राम के यहाँ चली गई हैं इसलिए हमेशा उदास आँखों से आसमान की ओर ताकता रहता था।

प्रश्न 2. उड़ती पतंग को देखकर उसका हृदय क्या सोचकर खिल उठा?

उत्तर- आसमान में उड़ती हुई पतंग को देखकर श्यामू का हृदय प्रसन्नता से खिल उठा। प्रसन्नता का कारण यह था कि राम के घर से अपनी काकी को नीचे लाने का मार्ग उस अबोध बालक को मिल गया था। उसने सोचा कि वह पतंग पर 'काकी' लिखकर श्रीराम के घर भेजेगा और उसे पकड़कर उसकी काकी नीचे उसके पास आ जाएगी।

प्रश्न 3. पतंग मँगवाने के लिए उसने किन से प्रार्थना की? उसकी बात सुनकर उनकी क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर- पतंग मँगवाने के लिए श्यामू ने अपने पिता से प्रार्थना करते हुए

कहा - "काका ! मुझे भी एक पतंग मँगा दो।"

अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद विश्वेश्वर अन्यमनस्क रहा करते थे। अतः उदास भाव से उन्होंने श्यामू से कहा - "अच्छा मँगा दूँगा।" और उदास भाव से कहीं और चले गए।

प्रश्न 4. पतंग प्राप्त करने के लिए उसने किस उपाय का सहारा लिया और पतंग मँगवाने के लिए किसकी सहायता ली ? इसका क्या परिणाम निकला ?

उत्तर - श्यामू ने पतंग मँगवाने के लिए अपने पिता विश्वेश्वर से कहा। विश्वेश्वर ने 'अच्छा मँगा दूँगा' कह तो दिया, मगर पतंग नहीं मँगवाई इसलिए पतंग मँगवाने के लिए अपने पिता के कोट की जेब से चवन्नी चुरा ली और अपने घर में काम करने वाली सुखिया दासी के बेटे भोला को चवन्नी देकर पतंग मँगवाई। जब श्यामू और भोला पतंग में डोर बाँध रहे थे तब श्यामू ने अपनी योजना भोला को बताते हुए कहा कि यह पतंग वह आसमान में इसलिए तानकर उड़ाना चाहता है ताकि उसकी काकी, जो राम के यहाँ चली गई हैं, वह इसकी डोर को पकड़कर वापस उसके पास आ जाएगी।

तब भोला ने अपनी समझदारी दिखाते हुए कहा कि बात तो बहुत अच्छी है, परन्तु एक कठिनाई है। यह डोर पतली है। इसे पकड़कर काकी उतर नहीं सकतीं। इसके टूट जाने का डर है। पतंग में मोटी रस्सी हो, तो सब ठीक हो जाएगा। तब श्यामू के सामने यह कठिनाई थी कि रस्सी कैसे मँगाई जाए। तब अगले दिन उसने विश्वेश्वर की जेब से एक रुपया निकाला और श्यामू से दो मोटी-मोटी रस्सियाँ मँगवाई। जब अगले दिन दोनों पतंग में रस्सी बाँध रहे थे तब अचानक वहाँ विश्वेश्वर आ गए और श्यामू एवं भोला को धमकाकर बोले - "तुमने हमारे कोट से एक रुपया निकाला है ?" भोला ने डर कर पूरा सच बता दिया कि श्यामू भैया ने पतंग और रस्सी मँगवाने के लिए निकाला था। विश्वेश्वर ने गुस्से में भरकर श्यामू को तमाचे मारे और कहा कि चोरी करना सीख कर जेल जाएगा और गुस्से में आकर पतंग फाड़ डाली।